Semester-6

पत्रकार एवं उसके कार्य

Core-14

डॉ॰ सफ़ीउल्लाह अंसारी (1)

△ पत्रकार कहते किसे हैं।

7. △ संवाददाता एवं उसके कार्य।

△ पत्रकार एवं उपसंपादक में अंतर।

△ पत्रकार एवं उपसंपादक के कार्य। △ उपसंपादक कहते किसे हैं?

उत्तर: पत्रकार, संवाददाता, रिपोर्टर आदि पर्यायवाची शब्द हैं। रिपोर्टिंग का शाब्दिक अर्थ है - संवाद लिखना या भेजना, सूचना देना या बतलाना या कहना, विवरण देना। जो इस काम को करता है, वह पत्रकार, संवाददाता या रिपोर्टर कहलाता है। पत्रकार समाचार जगत का महत्त्वपूर्ण व्यक्ति है। उसका कार्य है समाचारों का संकलन करना, उन्हें एकत्र करना या जुटाना तथा उन्हें किसी समाचार-समूह के लिए लिखना। उसका काम उपसंपादक से अलग है। उप-संपादक पत्रकार द्वारा प्रेषित समाचारों को मुद्रण (प्रिंटिंग) के उपयुक्त बनाता है। पत्रकार समाचार-संकलन के लिए क्षेत्र में जाता है, जबकि उप-संपादक 'समाचार-डेस्क' पर बैठकर काम करता है। 'डेस्क' पर तमाम समाचार आकर एकत्र रहते हैं, उनमें से मुद्रण-योग्य समाचारों को छाँटा जाता है, संपादित किया जाता है, प्रत्येक 'स्टोरी' को उपयुक्त शीर्षक पंक्ति (Headline) दी जाती है, उसके लिए अखबार में स्थान निर्धारित किया जाता है। कहने का तात्पर्य यह है कि पत्रकार सिर्फ समाचार संकलन करता है, जबकि उपसंपादक उन समाचारों (न्यूज़) को छाँटने से लेकर, उनके मुद्रण तक की प्रक्रिया से जुड़ा रहता है। यह बात अलग है कि कभी-कभी उप-संपादक को भी पत्रकार के रूप में समाचार-संकलन के लिए भेज दिया जाता है।

पत्रकारों की कई श्रेणियाँ हैं। ये वरिष्ठ पत्रकार (Senior Correspondent), चीफ रिपोर्टर, सीनियर रिपोर्टर, विशेष संवाददाता, विदेश संवाददाता में से कोई हो सकते हैं। लेकिन इनका मूलभूत कर्तव्य समाचार संकलन (News gathering) और समाचारों को लिखकर (कापी) समाचार डेस्क' के लिए उपलब्ध कराना है। यानी डेस्क'

के लिए खबरों की आपूर्ति पत्रकार का काम है। उप-संपादक का काम भी लगभग उससे मिलता-जुलता हो जाता है। वह 'डेस्क' पर खबरें चुनता है और उसे प्रिंटिंग (मुद्रण) योग्य बनाता है। यानी वह भी एक कापी तैयार करता है। उसे भी एक तरह से 'समाचार एकत्र' करने होते हैं, चुनने होते हैं। उनमें सुधार करना होता है। कम-ज़्यादा करना होता है। 'कॉपी एडीटर' जो कुछ लिखकर भेजते हैं, वह भी उसके लिए 'कापी' के महत्व के अनुसार उसे प्रकाशन के योग्य संपादन देना होता है। अतः उप-संपादक 'कॉपी एडीटर' कहलाता है और वह जो संपादित करता है, उसे 'कापी' ही कहा जाता है। और 'तार-सेवाओं' यानी समाचार एजेंसियों — पी.टी.आई, यू.एन.आई. से समाचार 'डेस्क' पर जो कुछ आता, वह भी कापी है।

इस प्रकार से 'रिपोर्टिंग' और संपादन (editing) पक्ष एकदम अलग नहीं है। अतः पत्रकार को उप-संपादक के स्थान पर बिठाया जा सकता है। कई समाचारपत्रों में यह एक दिनचर्या है। किसी भी उपसंपादक को अनेक अवसरों पर रिपोर्टिंग के काम से बाहर भेज दिया जाता है। कई बार उसे समाचारपत्र कार्यालय में आई हुई विज्ञप्तियों से या 'हैंडआउट' से समाचार लिखने का काम भी दिया जाता है। ऐसा प्रायः तब होता है, जब पत्रकार बाहर हो। कहने का अर्थ यह है कि उपसंपादक का काम पत्रकार से किसी माने में कम नहीं है।

—×—